पूर्वोदय

पूर्व रेलवे, प्रधान कार्यालय की त्रैमासिक हिन्दी ई-पत्रिका

अंक : जनवरी-मार्च, 2016

चित्र दीर्घा - 1

सदस्य (बिजली) के साथ बैठक (01.12.2015)

हावड़ा मंडल के स्टेशनों में महाप्रबंधक का निरीक्षण दौरा (02.12.2015)

पूर्व रेलवे मुख्यालय में मधुमेह स्वास्थ्य परीक्षण (04.12.2015)

यौन उत्पीड़न पर कार्यशाला का आयोजन (07.01.2016)

हमारी गतिविधियाँ

1. 67वाँ गणतंत्र दिवस समारोह - पूर्व रेलवे मुख्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 26 जनवरी, 2016 को बड़े धूमधाम से मनाया गया। हमारे महाप्रबंधक महोदय द्वारा रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के उपस्थिति में राष्ट्रीय झंडा फहराया गया।

2. कागजरहित टिकट बिक्री प्रणाली -

पूर्व रेलवे ने अपने यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए कागजरहित टिकट बिक्री प्रामली की शुरूआत कर दी है। दिनांक 08.01.2016 को माननीय रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने कागजरहित टिकट बिक्री प्रणाली का शुभारंभ करते हुए एक मोबाइल एप चालू किया। इस मोबाइल एप के आ जाने के बाद अब यात्रियों को टिकट खरीदने के लिए लम्बे समय तक कतारबद्ध होना नहीं पड़ेगा और वे अपने स्मार्ट फोन पर एसएमएस भेजकर अथवा वैबसाइट के माध्यम से अपने यात्रा-टिकट के अलावा प्लेटफार्म टिकट भी ऑन लाइन खरीद सकेंगे।

3. ऑन-बोर्ड हाउस कीपिंग सिस्टम (ओबीएचएस)- यात्रियों की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए पूर्व रेलवे द्वारा अनेक सराहनीय पहल किए गए हैं जिनमें से एक ऑन-बोर्ड हाउस कीपिंग सिस्टम (ओबीएचएस) भी है। इस प्रणाली में यात्री अपनी यात्रा के दौरान आवश्यकता पड़ने पर एक फोन कॉल करके अपने डिब्बे अथवा स्थान की सफाई हेतु सफाई कर्मचारियों को बुला सकेंगे।

4. 15 डिब्बों वाली उपनगरीय सेवा - पूर्व रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए प्रथम बार हावड़ा एवं बर्द्धमान के बीच एक 15 डिब्बों वाली ईएमयू गाड़ी प्रारंभ की है । इन 15 डिब्बों में से 5 मोटर कोच एवं 10 ट्रेलर कोच हैं। भविष्य में ऐसी ईएमयू गाड़ियों की संख्या में और अधिक वृद्धि की जाएगी।

5. यात्री सुख-सुविधा संबंधी कार्य - पूर्व रेलवे ने इस वर्ष के जनवरी माह में यात्री सुख-सुविधा के निम्नलिखित कार्य पूरे किए -

सियालदह के विभिन्न स्टेशनों पर 03 नए प्लेटफार्म शेड लगाए गए और 1457 वर्ग मीटर वाले प्लेटफार्म क्षेत्र की सतह को सुधारा गया।

हावड़ा एवं सियालदह मंडलों में विभिन्न स्टेशनों के 04 प्लेटफार्मों की सतह को ऊंचा उठाया गया।

मालदा में 01 सड़क ऊपरी पुल का निर्माण किया गया और 03 की मरम्मत की गई।

सियालदह मंडल में जनवरी माह से 04 अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं।

6. जलापूर्ति व्यवस्था - आसन्न ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जनवरी माह में कोलकाता टर्मिनल स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए यूवी प्रणाली से शुद्ध किए गए पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए जनवरी माह में यहां जल-शोधन संयंत्र लगाया गया है। इसके साथ-साथ पूर्व रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर पर्याप्त पेय जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 68 अतिरिक्त नल लगाए गए। सियालदह में 01 नलकूप एवं 02 चापाकल की भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। हावड़ा मंडल अंतर्गत बैंडेल, बर्द्धमान एवं बोलपुर स्टेशनों पर भी आरओ आधारित शुद्ध जल के लिए जलशोधन संयंत्र स्थापित किए गए हैं। ऐसे जलशोधन संयंत्र रामपुरहाट एवं पाकुड़ स्टेशनों पर भी लगाए जा रहे हैं।

7. संरक्षा संगोष्ठी - आसनसोल मंडल द्वारा पानागढ़ में रेल संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों तथा पर्यवेक्षकों के लिए दिसंबर माह में संरक्षा संबंधी सावधानियाँ एवं कार्यस्थल पर संरक्षा विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें मंडल के पर्यवेक्षकों, मेट, कीमैन तथा ट्रैकमैन की कार्यस्थल पर बरती जाने वाली सावधानियों और इसकी उचित व्यवस्था के संबंध में व्यापक जानकारी दी गई।

हमारी गतिविधियाँ

निष्पादन

1. यात्री यातायात - वर्तमान वित्तीय वर्ष में पूर्व रेलवे ने 87.18 करोड़ यात्री का वहन कर 1840 करोड़ रुपये अर्जित किये, जबकि पिछले वर्ष 87 करोड़ यात्रियों का वहन कर 1717 करोड़ रुपये अर्जित किये, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.16% किया अधिक है।

2. यात्री परिवहन - इस रेलवे ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 4 पैसेंजर एवं 12 ईएमयू गाड़ियां सहित 16 नई गाड़ियों की शुरूआत की। इस रेलवे द्वारा 2 पैसेंजर गाड़ियों के फेरे बढ़ाने, 11 गाड़ियों की सेवा में विस्तार करने के साथ-साथ 12 डिब्बों वाली 9 अतिरिक्त ईएमयू गाड़ियां तथा 15 डिब्बों वाली 1 ईएमयू गाड़ी प्रारंभ की गई। इसके अलावा विभिन्न लंबी दूरी की एवं परंपरागत पैसेंजर गाड़ियों में 66 अतिरिक्त डिब्बे स्थायी उपाय के रूप में एवं अस्थायी उपाय के रूप में 2706 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए। इस रेलवे द्वारा ग्रीष्मकालीन छुट्टी एवं त्यौहारों के दौरान वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 1201 विशेष गाड़ियां चलाई गयीं।

3. टिकट जाँच - चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न मंडलों में टिकट जांच अभियान के माध्यम से अप्रैल से दिसम्बर 2015 तक अवधि में 37.86 करोड़ रुपये वसूल की गई है।

4. माल भाड़ा यातायात - अप्रैल से दिसंबर 2015 तक की अवधि में इसका माल भाड़ा लदान 41.70 मि. टन तक जा पहुंचा। उक्त अवधि में पूर्व रेलवे की आरंभिक कुल माल भाड़ा आय 3157.44 करोड़ तक जा पहुंची।

5. ऊर्जा संरक्षण पर तकनीकी संगोष्ठी - प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर से 20 दिसंबर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में पूर्व रेलवे के अधिकारियों तथा कर्मचारियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 18.12.2016 को संपन्न तिमाही बैठक के दौरान ऊर्जा संरक्षण पर एक तकनीकी संगोष्ठी भी आयोजित की गई। मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री डी. भट्टाचार्य ने पावर प्वाइंट द्वारा ऊर्जा के संरक्षण, इसकी रीसाइकलिंग, सोलर पैनेल के द्वारा सूर्य से प्रकाश प्राप्त करने के उपाय आदि की विस्तृत जानकारी दी।

खेल-कूद -

1. मई एवं जून, 2015 में जर्मनी के न्यूरेमबर्ग में आयोजित लॉन टेनिस में सौरभ शुक्ला को टीम स्पर्द्धा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

2. जून, 2015 में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप-2015 के दौरान श्री अर्ध्यदीप दास को शतरंज में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

3. जुलाई-अगस्त, 2015 में कोपेनहेगन, डेनमार्क में आयोजित विश्व कप तीरन्दाजी-2015 में इस रेलवे के श्री मंगल सिंह चंपिया एवं राहुल बनर्जी ने भाग लिया।

4. अगस्त, 2015 में चीन में आयोजित विश्व चैम्पियनशिप 2015 के दौरान मैराथॉन में महिला एथलीट सुश्री ओ.पी. जैशा ने भाग लिया।

5. सितंबर, 2015 में फ्रांस के विंसी शहर में आयोजित यूएसआईसी (विश्व रेलवे) खेलों में श्री सुदीप्त दास ने गोल्फ चैम्पियनशिप में टीम स्पर्द्धा में प्रथम स्थान एवं एकल स्पर्द्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

6. पूर्व रेलवे ने 20 से 22 जनवरी, 2016 तक पी. एल. राय इंडोर स्टेडियम, सियालदह में आयोजित अखिल भारतीय रेल जिम्नास्टिक सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें पूर्व रेलवे के ही जिम्नास्टों ने प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

7. पूर्व रेलवे के श्रेष्ठ तीरंदाज श्री मंगल सिंह चंपिया ने वर्ष 2016 में ब्राजील के रेयो शहर में आयोजित होने वाले ओलम्पिक खेल के लिए क्वालिफाई किया है।

सौर ऊर्जा का प्रयोग

वैसे तो सौर उर्जा के विविध प्रकार से प्रयोग किया जाता है, किन्तु सूर्य की उर्जा को विद्युत उर्जा में बदलने को ही मुख्य रूप से सौर उर्जा के रूप में जाना जाता है। सूर्य की उर्जा को दो प्रकार से विदुत उर्जा में बदला जा सकता है। पहला प्रकाश-विद्युत सेल की सहायता से और दूसरा किसी तरल पदार्थ को सूर्य की उष्मा से गर्म करने के बाद इससे विद्युत जनित्र चलाकर।

सूर्य से सीधे प्राप्त होने वाली ऊर्जा में कई खास विशेषताएं हैं जो इस स्रोत को आकर्षक बनाती हैं। इनमें इसका अत्यधिक विस्तारित होना, प्रदूषणरहित होना व अक्षुण होना प्रमुख हैं। सम्पूर्ण भारतीय भूभाग पर 5000 लाख करोड़ किलोवाट घंटा प्रति वर्ग मी0 के बराबर सौर ऊर्जा आती है जो कि विश्व की संपूर्ण विद्युत खपत से कई गुने अधिक है। साफ धूप वाले (बिना धुंध व बादल के) दिनों में प्रतिदिन का औसत सौर-ऊर्जा का सम्पात 4 से 7 किलोवाट घंटा प्रति वर्ग मीटर तक होता है। देश में वर्ष में लगभग 250 से 300 दिन ऐसे होते हैं जब सूर्य की रोशनी पूरे दिन भर उपलब्ध रहती है।

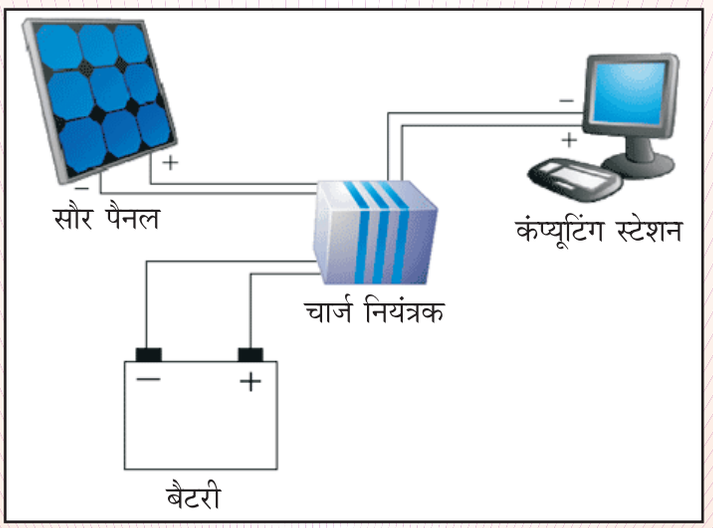

सौर ऊर्जा में फोटो वोल्टायिक प्रणाली द्वारा सूर्य के प्रकाश को विद्युत में रूपान्तरित करके प्रकाश एवं उष्मा प्राप्त किये जाते हैं। सौर-उष्मा पर आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग घरेलू, व्यापारिक व औद्योगिक इस्तेमाल के लिए जल को गरम करने में किया जा सकता है। देश में पिछले दो दशकों से सौर जल-उष्मक बनाए जा रहे हैं। लगभग 4,50,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के सौर जल उष्मा संग्राहक संस्थापित किए जा चुके हैं जो प्रतिदिन 220 लाख लीटर जल को 60-70° से0 तक गरम करते हैं। भारत सरकार का अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय इस ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन देने हेतु प्रौद्योगिकी विकास, प्रमाणन, आर्थिक एवं वित्तीय प्रोत्साहन, जन-प्रचार आदि कार्यक्रम चला रहा है। इसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी अब लगभग परिपक्वता प्राप्त कर चुकी है तथा इसकी दक्षता और आर्थिक लागत में भी काफी सुधार हुआ है। अब इसका प्रयोग वृहद् पैमाने पर, जैसे, आवासीय भवनों, रेस्तराओं, होटलों, अस्पतालों व विभिन्न उद्योगों (खाद्य परिष्करण, औषधि, वस्त्र, डिब्बा बन्दी, आदि) में किया जाने लगा है।

जब हम सौर उष्मक से जल गर्म करते हैं तो इससे उच्च आवश्यकता वाले समय में बिजली की बचत होती है। 100 लीटर क्षमता के 1000 घरेलू सौर जल-उष्मकों से एक मेगावाट बिजली की बचत होती है। साथ ही 100 लीटर की क्षमता के एक सौर उष्मक से कार्बन डाई आक्साइड के उत्सर्जन में प्रतिवर्ष 1.5 टन की कमी होगी। इन संयंत्रों का जीवन-काल लगभग 15-20 वर्ष का है।

भारत में बिजली हर बीतते दिन के साथ और अधिक महंगी होती जा रही है। इसलिए, अपनी बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने में अधिक लोगों की रुचि भी निरंतर बढ़ रही है। बिजली कटौती व डीजी सेट पर निर्भरता, लोगों को अधिक और बेहतर विकल्पों की तरफ आकर्षित कर रहे हैं। सौर पीवी पैनल निश्चित रूप से एक बहुत अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) भी देश में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत सौर पीवी प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त कदम उठा रहा है और लोगों को सौर पैनल खरीदने के लिए सब्सिडी प्रदान कर रहा है।

भारतीय रेल के कुछ गौरवपूर्ण तथ्य

1. भारतीय रेल जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का निर्माण कर रही है। इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार से करीब पांच गुना अधिक होगी। यह पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा होगा।

2. भारतीय रेल देश के सबसे लंबे सुरंग से भी गुजरती है। जम्मू-कश्मीर के 'पीर पंजाल रेल सुरंग' की लम्बाई 11.215 किलोमीटर है।

3. भारतीय रेल के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि लोको-पायलट ट्रेन की कमान छोड़कर भाग गया हो। सामने अगर मृत्यु भी खड़ी हो, तो भी भारतीय रेल के ड्राइवर कमान नहीं छोड़ते।

4. भारतीय रेल की वेबसाइट पर एक मिनट में करीब 12 लाख हिट्स होते हैं। irctc.com पर घंटे भर में जो ट्रैफिक आता है, उतना तो देश के कई नामी वेबसाइट्स साल भर में नहीं जुटा पाते।

5. सबसे धीमी गति से चलने वाली ट्रेन की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटे की है। 'मेट्टूपालयम ऊटी नीलगिरी पैसेन्जर ट्रेन' जब चलती है तो आप ट्रेन से कूद कर नीचे उतर सकते हैं। थोड़ी चहलकदमी कर वापस ट्रेन पर चढ़ सकते हैं।

6. भारतीय रेल की पटरियां इतनी लम्बी हैं कि यह पृथ्वी को 1.5 बार नाप सकती हैं। इनकी कुल लम्बाई लगभग 1,15,000 कि. मी. है।

7. भारतीय रेल प्रतिदिन 11 हजार ट्रेनें चलाती है।

8. वर्ष 1909 में भारतीय रेल के अस्तित्व में आने के 50 साल बाद ट्रेन के डिब्बों में ट्वायलेट की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था अखिल चन्द्र सेन नामक एक व्यक्ति के अनुरोध पर की गई थी। उसने रेलवे को इस बावत चिट्ठी लिखी थी।

9. भारतीय रेल के शुरूआती दिनों में ट्रेन डिब्बों को कारशेड तक ले जाने के लिए हाथियों की मदद ली जाती थी।

10. सबसे लम्बा नाम वाला स्टेशन है -

    'वेन्कटनरसिम्हाराजुवारिपेटा' (तमिलनाडु) और सबसे छोटे नाम का स्टेशन है - "IB" (उड़ीसा)।

11. देश में सबसे लम्बी दूरी तय करने वाली ट्रेन का नाम है 'विवेक एक्सप्रेस'। यह असम के डिब्रूगढ़ से चलकर सुदूर दक्षिण में कन्याकुमारी तक जाती है। दूरी है 4273 किलोमीटर।

12. एक ट्रेन 928 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय करती है। इस ट्रेन का नाम है त्रिवेन्द्रम - हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस।

13. लखनऊ देश का सबसे व्यस्ततम रेलवे जंक्शन है। यहां 64 ट्रेनें तशरीफ लाती हैं और तशरीफ ले जाती हैं।

14. हमारी ट्रेन के डिब्बों में प्रतिदिन 2.5 करोड़ से भी अधिक यात्री सफर पर निकलते हैं। यह संख्या आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और तस्मानिया की कुल आबादी के जितनी है।

15. दिल्ली का 'रेल म्यूजियम' एशिया का सबसे बड़ा रेल म्यूजियम है। यहां आपको अलग-अलग मॉडल देखने को मिल सकते हैं। अगर आपको रेल से प्रेम है तो यहां आपको नायाब जानकारियां मिल सकती हैं।

16. 'नवापुर' देश का एकमात्र ऐसा रेलवे स्टेशन है, जो आधा महाराष्ट्र में पड़ता है तो आधा गुजरात में।

17. और अंत में, भारतीय रेल के शुभंकर गार्ड का नाम भोलू है।

चित्र दीर्घा - 2

कालका मेल गाड़ी के 150 वर्ष पूरे होने पर समारोह (01.01.2016)

परिवर्तित ईएमयू गाड़ी का उद्घाटन (01.01.2016)

पूर्व रेलवे में 45वीं अखिल भारतीय जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप का आयोजन (01.01.2016)

संरक्षक
ए. के. गोयल
महाप्रबंधक

प्रधान संपादक
आर. एल. गुप्ता
मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
मुख्य यांत्रिक इंजीनियर

संपादक
डॉ. वरुण कुमार
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

सह संपादक
ग्रेगोरी तिग्गा
वरिष्ठ अनुवादक
एवं
प्रमोद कुमार सिंह
कनिष्ठ अनुवादक

तकनीकी सलाहकार : *मृणाल कांति सिन्हा*, वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (कंप्यूटर)

पूर्व रेलवे में कवि सम्मेलन का आयोजन

स्थान - बी. सी. राय ऑडिटोरियम सियालदह, दिनांक 11.12.2015

हरित पहल के अंतर्गत सियालदह में बायो-डीजल सुविधा का उद्घाटन (17.12.2015)

जनता में विज्ञान के प्रचारार्थ प्रदर्शनी गाड़ी साइंस एक्सप्रेस बैरकपुर में (21.01.2016)